# प्रधानमंत्री 15 नवंबर को खूंटी में 'पीएम-पीवीटीजी डेवलपमेंट मिशन'करेंगे लॉन्च

## चर्चा में क्यों?

10 नवंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस'(भगवान बिरसा मुंडा की जयंती) पर खूंटी ज़िले में 'पीएम-पीवीटीजी डेवलपमेंट मिशन'का शुभारंभ करेंगे।

## प्रमुख बिंदु

- पीएम-पीवीटीजी डेवलपमेंट मिशन कार्यक्रम का उद्देश्य कमज़ोर आदिवासी समूहों (पीवीटीजी) की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। इसके लिये केंद्रीय बजट में अनुसूचित जनजातियों के लिये 15,000 करोड़ रुपए की उपलब्धता की परिकल्पना की गयी है।
- मिशन में पिछड़ी अनुसूचित जनजातियों के लिये बस्तियों में सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल व स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य व पोषण, सड़क तक बेहतर पहुँच जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराना शामिल है।
- **प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मिशन:**
    - विदित हो कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी, 2023 को केंद्रीय बजट 2023-24 के तहत 'प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मिशन'**(Pradhan Mantri PVTG Development Mission)** की घोषणा की थी।
    - केंद्र सरकार ने अगले तीन वर्षों में इस मिशन को लागू करने के लिये 'अनुसूचित जनजातियों हेतु विकास कार्य योजना'के तहत 15,000 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं।
- **विशिष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTGs):**
    - गृह मंत्रालय ने देश के 18 राज्यों तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य-क्षेत्र के 75 जनजातीय समूहों को विशिष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के रूप में वर्गीकृत किया है।
    - आदिवासी समूहों में पीवीटीजी सबसे अधिक कमज़ोर हैं। वर्ष 1975 में भारत सरकार ने सबसे कमजोर जनजातीय समूहों को **PVTGs** नामक एक अलग श्रेणी के रूप में पहचानने की पहल की थी।
    - प्रारंभ में 52 जनजातीय समूहों को पीवीटीजी के रूप में वर्गीकृत किया गया। वर्ष 1993 में इस श्रेणी में 23 अतिरिक्त जनजातीय समूहों को शामिल किया गया, जिससे पीवीटीजी के तहत वर्तमान में 75 जनजातीय समूह हो चुके हैं।
    - 75 सूचीबद्ध पीवीटीजी में से सबसे अधिक संख्या ओडिशा (13) में पाई जाती है, इसके बाद आंध्र प्रदेश (12) का स्थान है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prime-minister-will-launch-pm-pvtg-development-mission-in-khunti-on-15th-november